वर्ष 2001-2002 की हिन्दी रिपोर्ट

जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार के अधीनस्थ स्वायत्तशासी संस्था 'राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान' अपनी स्थापना काल से ही अपने संवैधानिक दायित्वों की प्रतिपूर्ति में सदैव सग्रणी रहा है, एवं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में विशेष योगदान दे रहा है. इस क्रम में विगत वर्ष 10 सितम्बर से 14 सितम्बर 2001 के दौरान संस्थान में हिन्दी सप्ताह का आयोजन संपन्न हुआ, जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे - निबन्ध, काव्यपाठ, मौखिक प्रश्नोत्तरी, लिखित प्रश्नोत्तरी, आशुभाषण, तथा वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. प्रवाहिनी की समस्त प्रविष्टियों में सबसे उत्कृष्ट प्रविष्टियां हिन्दी दिवस पर पुरस्कृत की गईं. संस्थान के वैज्ञानिकों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इन प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया.

हिन्दी सप्ताह के दौरान हिन्दी दिवस के मुख्य समारोह पर मुख्य अतिथि माननीया (श्रीमती) निरुपमा गौड़, शहरी विकास मंत्री, उत्तरांचल सरकार, ने संस्थान की वार्षिक हिन्दी पत्रिका "प्रवाहिनी" का विमोचन किया, एवं अपने भाषण में संस्थान में किये जा रहे हिन्दी कर्यों की प्रसंशा की.

विगत वर्ष के दौरान राजभाषा हिन्दी कार्यान्वयन समिति की मात्र एक बैठक का ही आयोजन किया जा सका, जिसमें पूर्व बैठक की अनुवर्ती गतिविधियों का अवलोकन किया गया, और वर्ष 2001 -2002 का वार्षिक कार्यक्रम निर्धारित किया गया. इस वर्ष संस्थान में प्रयुक्त समस्त फ़ार्मों का द्विभाषीकरण कर कम्प्युटर पर टंकित किया गया तथा इसके सुचारू कार्यान्वयन की दृष्टि से 'हाईपर सेंसिटिव प्रोटोकाल' तकनीक का प्रयोग कर, अतिसंवेदनशील सूची सहित कंप्युटर सीडी संस्करण तैयार किया गया, जिसके फ़लस्वरुप किन्हीं भी वांछित फ़ार्म को सुची स्थान पर ही क्लिक करके विशेष फ़ाईल खोला अथवा प्रिंट लिया जा सकता है.

विगत वर्ष संस्थान की पत्रिका 'प्रवाहिनी' एवं 'वार्षिक प्रतिवेदन' का सफलतापूर्वक प्रकाशन किया गया.

हिन्दी अधिकारी

* * * * *